उपेक्षा जर्जर सड़क, अधूरा आंगनवाड़ी भवन और सिंचाई के अभाव में दम तोड़ रहा गांव, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई विकास की गुहार

ग्राम तरवानी के विकास कार्यों पर लगा ताला

नारायणगंज, नवभारत। आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में आज भी ऐसे सैकेड़ों गांव, कस्बा, टोला है, जो विकास से कोसो दूर है। जहां ग्रामीण बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तरस रहे है। संबंधित विभाग और अधिकारी आंखे बंद करके सब देख रहा है। अंतिम छोर के व्यक्तियों को शासकीय योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस डिजिटल इंडिया के दौर में जिले की ग्राम पंचायत डोभी का ग्राम तरवानी आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। गांव की बदहाली और प्रशासन की अनदेखी से तंग आकर समस्त ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर पांच मुख्य समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत को बार-बार अवगत कराने के बावजूद उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार विकासखंड नारायणगंज की ग्राम पंचायत डोभी के पोषक ग्राम तरवानी के ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुँचकर कलेक्टर को ग्राम में व्याप्त समस्या से अवगत कराते हुए कहां कि बार-बार समस्या से अवगत कराने के बावजूद ग्राम पंचायत के जिम्मेदार द्वारा उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे पूरा गाँव उपेक्षित महसूस कर रहा है। जल्द से जल्द गांव की समस्या का समाधान किया जाए, जिससे यहां के ग्रामीणों को इस परेशानी से निजात मिल सके।

डिजिटल युग में नेटवर्क से वंचित ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि गाँव में जियो और बीएसएनएल के मोबाइल टावर पिछले 5-8 वर्षों से स्थापित हैं, लेकिन आज तक चालू नहीं किए गए। इसके कारण ग्रामीण न तो अपना केवाईसी करा पा रहे हैं और न ही बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई कर पा रहे हैं। डिजिटल इंडिया के इस दौर में भी यहाँ के निवासी सूचना क्रांति से कटे हुए हैं।

अधूरे भवन से शिक्षा पर मंडरा रहा संकट

गांव में वर्ष 2022 से स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन आज भी अर्धनिर्मित अवस्था में पड़ा है, जिससे छोटे बच्चे इस महत्वपूर्ण सरकारी सुविधा से वंचित हैं। इसके साथ ही मिडिल स्कूल जाने के लिए बच्चों को गांव से लगभग 3-4 किलोमीटर दूर डोभी जाना पड़ता है। रास्ता कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और जंगली क्षेत्र से होकर गुजरता है, जहाँ हमेशा हिंसक पशुओं का डर बना रहता है। बारिश के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे बच्चों की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

खेती और बिजली की हालत भी बदहाल

गांव की पूरी अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है, लेकिन सिंचाई का कोई पुख्ता साधन नहीं है। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग की भूमि पर एक बड़ा डैम बनाया जाए जिससे पेयजल और सिंचाई की समस्या हल हो सके। इसके साथ ही ग्रामीणों ने बिजली की समस्या को लेकर बताया कि गांव में बिजली की अधिक खपत के कारण दूसरा ट्रांसफार्मर लगाया तो गया है, लेकिन उसे अभी तक चालू नहीं किया गया, जिससे गांव में अंधेरा छाया रहता है और सिंचाई व्यवस्था ठप्प पड़ी है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही समस्या का निराकरण किया जाए। समस्या का समाधान न होने पर ग्रामीणों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्रामीणों ने अपनी व्यथा बताते हुए शासन-प्रशासन से शीघ्र निराकरण की मांग की है।

इनका कहना है

हमारे गांव में वर्षों से मोबाइल टावर खड़े हैं, लेकिन वे सिर्फ शो-पीस बनकर रह गए हैं। आज के डिजिटल युग में भी हमारे बच्चे पढ़ाई के लिए नेटवर्क को तरस रहे हैं और ग्रामीणों का कोई भी ऑनलाइन काम नहीं हो पाता।

संजय कुमार सरोते

शिक्षा की हालत यह है कि बच्चों को कच्ची और पथरीली सड़क से स्कूल जाना पड़ता है। रास्ते में जंगल पड़ता है जहाँ हमेशा जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। बारिश में तो बच्चों का स्कूल जाना लगभग बंद ही हो जाता है।

सुब्बे सिंह उईके

गांव में बिजली की खपत ज्यादा है, इसलिए दूसरा ट्रांसफार्मर लगाया गया था। लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उसे चालू नहीं किया गया। इससे न तो घर में रोशनी रहती है और न ही हम खेतों में सिंचाई कर पा रहे हैं।

रामकरण मरावी

खेती ही हमारे जीवन का आधार है, लेकिन सिंचाई का कोई साधन नहीं है। हमने कलेक्टर साहब से मांग की है कि गाँव की पूर्व दिशा में जो वन विभाग की भूमि है, वहाँ डैम बनाया जाए ताकि हमें साल भर पानी मिल सके।

चैन सिंह बरकड़े

नारायणगंज में आनंद उत्सव पर फिरा पानी

अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ा आनंद मेला, खिलाड़ियों को नसीब नहीं हुआ भोजन

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज में आयोजित जनपद स्तरीय आनंद उत्सव विवादों के घेरे में आ गया है। जहाँ एक ओर सरकार इन कार्यक्रमों के माध्यम से खेल और खुशहाली का संदेश देना चाहती है, वहीं नारायणगंज में जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का बहिष्कार कर प्रशासनिक कार्यप्रणाली की धज्जियां उड़ा दीं। जनप्रतिनिधियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार और कार्यशैली में परिवर्तन नहीं आया, तो आगामी समय में वे उग्र आंदोलन और पूर्ण बहिष्कार करने मजबूर होंगे।

जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया और उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा ने जनपद सीईओ की कार्यशैली पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि उन्हें कार्यक्रम की न तो पहले से सूचना दी गई और न ही सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम शुरू होने के बाद महज औपचारिकता निभाने के लिए फोन किया गया, जिसे उन्होंने लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों के सम्मान का हनन बताया।

खिलाड़ियों के हक पर डाला डाका

सूत्रों के अनुसार शासन द्वारा इस आयोजन के लिए लगभग 50 हजार का बजट आवंटित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए बुनियादी व्यवस्थाएं करना है। लेकिन कार्यक्रम स्थल पर भारी अव्यवस्था देखने को मिली। दूर-दराज से आए खिलाड़ियों के लिए भोजन तो दूर, केवल पानी की ही व्यवस्था थी। ग्रामीणों और खिलाड़ियों में इस लचर व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखी गई। जब इस पूरे विवाद और बजट के दुरुपयोग के आरोपों पर जनपद पंचायत सीईओ से बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने अपना पक्ष देने से साफ मना कर दिया।

इनका कहना है

हम जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि हैं। लोकतंत्र में इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि सीईओ ने कार्यशैली नहीं सुधारी, तो भविष्य में उनके खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।

आशाराम भारतीया, अध्यक्ष जनपद पंचायत नारायणगंज

हमें न सूचना मिली, न आमंत्रण। कार्यक्रम शुरू होने के बाद फोन करना महज दिखावा है। हम इस तानाशाहीपूर्ण रवैये की घोर निंदा करते हैं।

अविनाश शर्मा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नारायणगंज

किताबों से निकलकर उद्योग की बारीकियों को समझा

सांदीपनी विद्यालय के छात्रों ने किया मेगा पाइप प्लांट का भ्रमण

नारायणगंज। नवीन व्यावसायिक शिक्षा योजना के अंतर्गत शासकीय सांदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणगंज के विद्यार्थियों ने मनेरी निवास स्थित मेगा पाइप प्लांट का औद्योगिक भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ औद्योगिक कार्यक्षेत्र के व्यावहारिक अनुभव से रूबरू कराना था।

प्लांट पहुंचने पर मेगा पाइप प्लांट के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट सरोज बी गवाई और उनकी तकनीकी टीम, जिसमें इंजीनियर रामरूप तिवारी, विशाल सिन्हा, रजनीश तिवारी और गणेश कोरी शामिल थे, ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। इंजीनियरों ने पाइप बनाने की संपूर्ण कार्यप्रणाली का विस्तार से विवरण दिया। विद्यार्थियों ने भी अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए विशेषज्ञों के समक्ष कई प्रश्न रखे, जिनका समाधान टीम द्वारा सरल भाषा में किया गया।

छात्रों ने किया तकनीकी प्रक्रियाओं का सजीव अनुभव

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्लांट में आधुनिक मशीनों और तकनीकी प्रक्रियाओं को देखा। उन्हें विशेष रूप से आधुनिक मशीनों की जानकारी विस्तार से बताई। जिसमें विशाल पाइपों के लिए कच्चे माल का प्रबंधन। धातु को आकार देने और जोड़ने की तकनीक। गुणवत्ता परीक्षण और पाइपों को जंग से बचाने की कोटिंग प्रक्रिया।

व्यावसायिक प्रबंधन का दिया मार्गदर्शन

यह औद्योगिक भ्रमण सांदीपनी विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना नेमा की अध्यक्षता और व्यावसायिक शिक्षा नोडल श्रीमती संगीता गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। भ्रमण का सफल क्रियान्वयन व्यावसायिक प्रशिक्षक हेमंत पटेल द्वारा किया गया। प्राचार्य ने कहा कि ऐसे दौरों से विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल और करियर के प्रति नई सोच विकसित होती है।

गुरुवार को हाट बाजार के दिन लगता है लंबा जाम

उमरिया। जिले के मानपुर तहसील अंतर्गत ग्राम चिल्हारी में प्रत्येक गुरुवार को हाट बाजार लगता है। यहां चिल्हारी सहित आसपास के कई गांवों के लोग बड़ी संख्या में अपनी रोजमर्रा की चीजों का क्रय-विक्रय करने पहुंचते हैं। बाजार बस स्टैंड में लगने से मानपुर एवं कटनी मुख्य सड़क मार्ग होने से भारी संख्या पर वाहनों का आवागमन बना रहता है, जिससे कई घंटे जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी स्थानीय ग्राम पंचायत, तहसील कार्यालय और जिला प्रशासन को भी दी गई, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। अगले सप्ताह ग्राम के वरिष्ठ पत्रकार रमाकांत तिवारी बाजार करके अपने घर जा रहे थे तभी भारी भरकम ट्रक की की चपेट में आ गए थे, जिससे उनके हाथ व पैर में गंभीर चोटें आई थीं। ग्रामीणों ने मांग की कि कलेक्टर इस विषय को संज्ञान में लेते हुए उचित व्यवस्था बनाने कोई ठोस कदम उठाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके।

मोगली की कर्मस्थली अमोदागढ़ पहुंचे 125 छात्र

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच किया शैक्षिक भ्रमण

नैनपुर। पढ़ाई और कंप्यूटर के रूटीन कार्य से होने वाली मानसिक थकान को दूर करने और छात्रों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से जेड टू जेड आई टी कंप्यूटर शिक्षा एवं डिप्लोमा सेंटर, नैनपुर द्वारा एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। सेंटर के लगभग 125 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सिवनी जिले के प्रसिद्ध जंगल बुक के पात्र मोगली की कर्मस्थली कहे जाने वाले अमोदागढ़ का भ्रमण किया।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर घने जंगलों और हरी नदी के किनारे पहुंचकर छात्रों ने न केवल प्रकृति को करीब से देखा, बल्कि सामूहिक रूप से अपने हाथों से भोजन तैयार करने का लुत्फ भी उठाया। इस दौरान अंताक्षरी, गीत-गायन, नृत्य और विभिन्न खेलों की गतिविधियों ने छात्रों में नया उत्साह भर दिया।

अमोदागढ़ के इतिहास और भूगोल से हुए रूबरू

भ्रमण के दौरान छात्रों ने अमोदागढ़ की भौगोलिक विशेषता को समझा। उन्होंने देखा कि यहाँ बहने वाली हरी नदी ओम की आकृति बनाती है, संभवत: इसी कारण इस स्थल को ओमदागढ़ भी कहा जाता है। साथ ही छात्रों ने यहाँ स्थित सोना रानी के महल के खंडहरों को देखा और इस ऐतिहासिक व प्राकृतिक स्थल की शांति का अनुभव किया। सेंटर के संस्थापक ममता ठाकुर एवं संचालक नितिन ठाकुर ने बताया कि समय-समय पर ऐसी गतिविधियां छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आपसी समन्वय के लिए आवश्यक हैं। इस सफल भ्रमण में शिक्षक गणेश बड़े, हेमलता मोहारे, सलोनी यादव, अजय सूर्यवंशी, प्रिया ठाकुर, नरेंद्र गिरी, अविनाश ठाकुर और नीलम का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा।

जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे दादा गुरु

शहपुरा प्रवास पर किया गया स्वागत, जगह-जगह की गईं पुष्पवर्षा, मां नर्मदा की महाआरती की गई

शहपुरा। शहपुरा प्रवास पर दादा गुरु का भव्य स्वागत जगह-जगह फूलों की वर्षा कर किया गया। केवल मां नर्मदा के पवित्र जल पर वर्षों से जीवन यापन कर रहे तथा जल-संरक्षण को जीवन का संकल्प बना चुके दादा गुरु का शहपुरा अंचल में आगमन हुआ। उनके शहपुरा पहुंचते ही क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बन गया।

आधुनिक युग में जहां भोजन के बिना जीवन की कल्पना असंभव मानी जाती है, वहीं दादा गुरु ने अन्न का पूर्ण त्याग कर केवल मां नर्मदा के जल को अपना आधार बनाया है। उनका कहना है कि मां नर्मदा का जल न केवल शरीर को शुद्ध करता है, बल्कि आत्मा को भी दिव्य ऊर्जा प्रदान करता है। दादा गुरु पदयात्रा के माध्यम से जन-जन को नर्मदा की अविरलता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

नर्मदा परिक्रमा के 92वें दिन दादा गुरु की टोली पहुंची

नर्मदा परिक्रमा के 92वें दिन दादा गुरु की टोली शहपुरा पहुंची, जहां कल्याण केंद्र में रात्रि विश्राम किया गया। इस अवसर पर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत एवं नर्मदा भक्त शामिल हुए। शुक्रवार को यह काफिला कल्याण केंद्र से आगे की यात्रा पर प्रस्थान करेगा।

विवाह के तुरंत बाद पति-पत्नी निकले नर्मदा परिक्रमा करने

इस पदयात्रा में हरदा जिले के 32 वर्षीय सिविल इंजीनियर विद्युत शर्मा एवं उनकी पत्नी आध्या भी शामिल हैं। दोनों ने विवाह के तुरंत बाद नर्मदा परिक्रमा का संकल्प लिया। उनका मानना है कि जीवन की नई शुरुआत मां नर्मदा के आशीर्वाद और दादा गुरु के मार्गदर्शन से ही सार्थक हो सकती है।

पदयात्रा में लगभग दो हजार श्रद्धालु व साधु-संत शामिल

श्रद्धालुओं के अनुसार यह यात्रा पिछले 90 दिनों से अधिक समय से निरंतर मां नर्मदा की गोद में चल रही है। पदयात्रा में लगभग दो हजार श्रद्धालु, साधु-संत और नर्मदा प्रेमी शामिल हैं।

इस यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। शहपुरा क्षेत्र के नागरिकों के लिए दादा गुरु का यह प्रवास एक दुर्लभ अवसर है, जहां उन्हें एक सिद्ध साधक के सान्निध्य में अध्यात्म, संयम और पर्यावरण संरक्षण का जीवंत संदेश प्राप्त हो रहा है।

कृष्ण-सुदामा मिलन देख छलकीं भक्तों की आंखें

जिलेहटा में भागवत कथा का समापन

निवास। ग्राम जिलेहटा में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन गुरुवार को सुदामा चरित्र केप्रसंग के साथ हुआ। कथा व्यास आचार्य उदय प्रकाश पाण्डेय ने जब भगवान श्रीकृष्ण और उनके दरिद्र सखा सुदामा की नि:स्वार्थ मित्रता का वर्णन किया, तो पूरा पंडाल भक्ति और करुणा के भाव में डूब गया।

कथा प्रसंग सुनाते हुए आचार्य जी ने कहा कि मित्रता हो तो कृष्ण और सुदामा जैसी, जहाँ न अमीरी का अहंकार था और न गरीबी का संकोच। उन्होंने कहा कि सच्चा मित्र वही है जो बिना बताए अपने मित्र के दुखों को समझ ले और मदद के लिए हाथ बढ़ा दे।

नंगे पाँव दौड़े आए द्वारकाधीश

कथा के दौरान जब सुदामा के द्वारका पहुँचने और भगवान कृष्ण के नंगे पाँव अपने सखा को गले लगाने का दृश्य वर्णित किया गया, तो श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। उन्होंने बताया कि भगवान केवल प्रेम और अटूट विश्वास के भूखे हैं। भगवान ने स्वयं अपने अश्रुओं से उनके पाँव धोए, जो अटूट प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है।